राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
उत्तराखण्ड
National Institute of Technology,
Uttarakhand

Media Coverage

February 2023

एनआइटी के सत्र में 52 फीसद को मिला प्लेसमेंट

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर (एनआइटी) ने 2022-23 के पहले ही शैक्षणिक सत्र में लगभग 52 प्रतिशत छात्रों को अब तक प्लेसमेंट मिल चुका है। एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि एनआइटी के 43 छात्रों को 11 लाख रुपये प्रतिवर्ष औसत पैकेज के साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियों में प्लेसमेंट मिल चुका है।

उन्होंने संस्थान के प्लेसमेंट सेल के अधिकारियों को करियर काउंसिलिंग को लेकर दो महीनों के लिए विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। जिससे बीटेक तृतीय वर्ष के छात्रों को साक्षात्कार और प्लेसमेंट प्रक्रियाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने को लेकर अभी से प्रशिक्षित किया जा सके। एनआइटी के करियर काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के प्रभारी प्रोफेसर डा. हरिहरन मुथुसामी ने कहा कि इस प्लेसमेंट सत्र में अब तक जिंदल स्टील, मारुति सुजुकी, आकाश बायजु, पेप्सिको, टेस्को, साइ फ्यूचर, टीसीएस, अडानी ग्रुप, इंडिया मार्ट सहित अन्य प्रतिष्ठित कंपनियों में भी छात्रों को प्लेसमेंट मिला है। समन्वयक डा. विकास कुकशाल ने कहा कि छात्रों को अभी तक का अधिकतम वेतन पैकेज 21 लाख पहुंच गया है। निदेशक ने डा. प्रशांत तिवारी, डा. रोहित कुमार, विकास कोठारी, पवन राणा की ओर से सेल में किए जा रहे कार्यों को सराहा है।

43 छात्रों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों में मिला प्लेसमेंट

■ श्रीनगर/एसएनबी।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के सत्र 2022-23 में अभी तक सभी विभागों को मिलाकर कुल 43 छात्रों को विभि ! बहुराष्ट्रीय कंपनियों में प्रतिवर्ष 11 लाख रुपये के औसत पैकेज के साथ प्लेसमेंट मिला है। वर्तमान सत्र के प्लेसमेंट ड्राइव में योग्य छात्रों में से 52 प्रतिशत छात्रों का प्लेसमेंट हो गया है।

> प्लेसमेंट ऑफर और औसत वेतन पैकेज में हुई उल्लेखनीय वृद्धि प्रो.अवस्थी

संस्थान का अभी तक का अधिकतम वेतन पैकेज 21 लाख रुपये प्रतिवर्ष जबकि न्यूनतम वेतन पैकेज 6 लाख रुपये प्रतिवर्ष रहा है। एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी का कहना है कि संस्थान के प्लेसमेंट ऑफर की संख्या और औसत वेतन पैकेज दोनों ही मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। न केवल आईटी कंपनियों बल्कि मैकेनिकल और सिविल स्ट्रीम की कोर कंपनियों में भी उच्च प्लेसमेंट प्रतिशत हासिल किया गया है।

एनआईटी उत्तराखंड में पहली बार मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 66 प्रतिशत छात्रों, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 52 प्रतिशत छात्रों और सिविल इंजीनियरिंग के 43 प्रतिशत छात्रों ने प्लेसमेंट हासिल किया है। कहा आने वाले महीनों में कई और बहुराष्ट्रीय कंपनियां आनलाइन, आफलाइन माध्यम से संस्थान में प्लेसमेंट प्रक्रिया का संचालन करने वाली है।

उन्होंने करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सदस्यों डा. हरिहरन मुथुसामि, डा. विकास कुकशाल, डा. प्रशांत तिवारी, डा. रोहित कुमार, विकास कोठारी और पवन राणा के प्रयासों की सराहना भी की।

एनआइटी श्रीनगर परिसर में द्वितीय चरण के कार्य शीघ्र शुरू होंगे

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर (एनआइटी) के श्रीनगर परिसर में द्वितीय चरण के निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होंगे, इसके लिए एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने सीपीडब्ल्यूडी अभियंताओं के साथ बैठक कर संबंधित निविदा दस्तावेजों को अंतिम रूप दिया।

कार्यदायी संस्था केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता कार्यालय देहरादून सभागार में मुख्य अभियंता और उनकी टीम के साथ एनआइटी निदेशक ने बैठक की। निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा कि श्रीनगर परिसर में द्वितीय चरण के अंतर्गत निदेशक कार्यालय परिसर के साथ ही स्मार्ट क्लास रूम, एक मिनी सभागार, एक मनोरंजन हाल का निर्माण प्रमुख रूप से होना है। स्मार्ट टीवी, कम्प्यूटर, वाईफाई, प्रोजेक्टर, पोडियम आदि सुविधाओं से स्मार्ट क्लास रूम सुसज्जित होंगे। उन्होंने सीपीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता सुनील कुमार शर्मा से कहा कि प्रथम चरण के जो शेष कार्य रह चुके हैं उन्हें भी शीघ्र पूरा कर लिया जाए। प्रथम चरण में पांच हास्टल ब्लाक और डाइनिंग हाल ब्लाक का निर्माण होना है। इसमें अभी तक दो हास्टल ब्लाक के साथ ही डाइनिंग हाल भी संस्थान को हस्तांतरित हो चुके हैं। सीपीडब्ल्यूडी के अभियंताओं के साथ बैठक में एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि संस्थान परिसर में सीपीडब्ल्यू अपना एक अनुरक्षण प्रकोष्ठ भी स्थापित करे, जिससे अनुरक्षण संबंधी कार्यों का त्वरित निदान किया जा सके। बैठक में एनआइटी की ओर से टीम प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डा. जीएस बरार, एसोसिएट डीन डा. आदित्य अनुपम और सीपीडब्ल्यूडी की ओर से मुख्य अभियंता सुनील कुमार शर्मा, सहायक अभियंता सिविल राजीव वर्मा, सहायक अभियंता इलेक्ट्रिकल रोहित कुमार उपस्थित थे। (जासं)

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर में प्लेसमेंट ऑफर की संख्या और औसत वेतन पैकेज दोनों ही मामलों में हुई उल्लेखनीय वृद्धि

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में प्लेसमेंट ड्राइव से सम्बंधित अधिकारियों ने कहा कि हमें यह घोषणा करते हुए अपार खुशी हो रही है कि संस्थान ने प्लेसमेंट सत्र 2022–23 के पहले ही सत्र में माननीय निदेशक प्रो0 ललित कुमार अवस्थी के नेतृत्व में 50 प्रतिशत से अधिक प्लेसमेंट हासिल कर लिया है। माननीय निदेशक के ईमानदार प्रयासों और मार्गदर्शन से न केवल आईटी कंपनियों बल्कि मैकेनिकल और सिविल स्ट्रीम की कोर कंपनियों में भी उच्च प्लेसमेंट प्रतिशत हासिल किया गया। एनआईटी उत्तराखण्ड में पहली बार मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 66 प्रतिशत छात्रों, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 52 प्रतिशत छात्रों और सिविल इंजीनियरिंग के 43 प्रतिशत छात्रों ने प्लेसमेंट हासिल किया है। सभी विभागों को मिलाकर कुल 43 छात्रों को विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों में प्रतिवर्ष 11 लाख रूपये के औसत पैकेज के साथ रोजगार मिल चुका है। वर्तमान सत्र के प्लेसमेंट ड्राइव में योग्य छात्रों में से लगभग 52 प्रतिशत छात्रों का प्लेसमेंट हो गया है। संस्थान का अभी तक का अधिकतम वेतन वेतन पैकेज 21 लाख रूपये प्रतिवर्ष जबकि न्यूनतम वेतन पैकेज 6 लाख रूपये प्रतिवर्ष रहा है। प्रतिष्ठित कंपनियों में नियुक्त कुछ छात्रों का विवरण इस प्रकार है:–धर्मपुरी पवनच्यतन्य, बीटेक, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र और इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग के विपुल गिरी का जिंदल स्टील वर्क्स में चयन हुआ है , मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के हिमांशु पटेल और अंकित तनिवाल का चयन मारूति सुजुकी लिमिटेड कंपनी द्वारा किया गया है। अजय कुमार, इलक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग और बाबुल सरकार, सिविल इंजीनियरिंग विभाग का चयन अकाश बायजू में हुआ। कुछ कंपनियां जैसे पेप्सिको, टेस्को, प्लैनेटस्पार्क, साइफ्यूचर, डंजो, एलजे आई, अडानी ग्रुप, विनजीत, टीसीएस, इंडियामार्ट आदि ने भी आनलाइन/आफलाइन मोड में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव संचालित किया।निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी व्यक्तिगत रूप से सभी कैरियर परामर्श और प्लेसमेंट गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहते है । उनके निर्देश पर करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल का गठन किया गया था। उन्होंने सेल के अधिकारियो को फरवरी और मार्च 2023 में करियर काउंसलिंग गतिविधियों की योजना बनाने के निर्देश दिए है। ताकि एप्टीट्यूड, रीजनिंग, वर्बल एबिलिटी, प्रोग्रामिंग और अन्य सॉफ्ट स्किल जैसे विभिन्न क्षेत्रो में कार्यशालाओं और विषय विशेषज्ञो द्वारा बीटेक तृतीय वर्ष के छात्रों को साक्षात्कार और भर्ती प्रक्रियाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अभी से प्रशिक्षित किया जा सके। प्रोफेसर अवस्थी ने जानकरी दी कि आने वाले महीनों में कई और बहुराष्ट्रीय कंपनियां आनलाइन/आफलाइन माध्यम से संस्थान में प्लेसमेंट प्रक्रिया का सञ्चालन करने वाली है। उन्होंने करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सदस्यों डा0 हरिहरन मुथुसामि– प्रो0 प्रभारी, डॉ0 विकास कुकशाल– समन्वयक, डा0 प्रशांत तिवारी– सदस्य, डा0 रोहित कुमार–सदस्य, विकास कोठारी और पवन राणा के प्रयसों की सराहना की और इसी प्रकार लगन और निष्ठा से काम करने के लिए प्रेरित किया।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड के नेतृत्व में अधिकारियो के एक प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के अधिकारियो के साथ की बैठक

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/ श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी के नेतृत्व में केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ एक बैठक के विषय प्रोफेसर अवस्थी ने जानकरी दी कि यह बैठक संस्थान के श्रीनगर परिसर में चल रहे प्रथम चरण के निर्माण कार्यों की समीक्षा एवं द्वितीय चरण के निर्माण कार्य के लिए निविदा दस्तावेजों को अंतिम रूप देने के लिए आयोजित की गयी थी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दूसरे चरण के लिए वैचारिक ड्राइंग को पहले ही संस्थान द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है और अब कार्यदायी संस्था को इसके लिए निविदा दस्तावेजों को अंतिम रूप देना है। उन्होंने निर्माण कार्य के द्वितीय चरण पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए कहा कि इसके अंतर्गत संस्थान के श्रीनगर परिसर में मुख्य रूप से निदेशक कार्यालय के अलावा चार स्मार्ट क्लासरूम, एक मिनी सभागार-सह -मनोरंजन हाल निर्माण एवं इंटरनेट सम्बंधित सेवाओं के लिए लैन केबल,ऑप्टिकल केबल, कैट-6 केबल इत्यादि की व्यवस्था शामिल है।

प्रोफेसर अवस्थी ने आगे कहा कि सभी स्मार्ट क्लासरूम आधुनिक तकनीकी सुविधाओं जैसे की स्मार्ट टीवी, कंप्यूटर, वाईफाई, प्रोजेक्टर पोडियम इत्यादि सुविधाओं से सुसज्जित होंगे। जिससे छात्रों को आधुनिक प्रकार की तकनीकी शिक्षा प्रदान करने में सहूलियत होगी।

प्रथम चरण के निर्माण कार्यों कि प्रगति पर पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि 05 हॉस्टल ब्लॉक और एक डाइनिंग ब्लॉक बनाने के लिए कार्यदायी संस्था को प्रशासनिक और व्यय स्वीकृति जारी की गई थी। अभी तक दो हॉस्टल ब्लॉक ब्लॉक ए और बी संस्थान को हस्तांतरित किया जा चुके है और छात्र इसमें रह भी रहे है । इसके अलावा डाइनिंग हाल में छात्रों के भोजन की भी व्यवस्था कर दी गयी है। उन्होंने आगे कहा कि जो थोड़ा बहुत निर्माण का काम शेष रह गया है उनको भी अतिशीघ्र पूरा करने का लक्ष्य है जिससे कि निर्माण कार्य के द्वितीय चरण की प्रक्रिया को जल्दी से जल्दी शुरू किया जा सके।

प्रोफेसर अवस्थी ने आगे कहा कि प्रथम चरण के निर्माण कार्य के लिए कार्यदायी संस्था के अधिकारियो से संस्थान में व्यय संबधी उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। इसके अलावा कार्यदायी संस्था से परिसर में एक अनुरक्षण प्रकोष्ठ स्थापित करने के लिए भी कहा गया है ताकि सौंपे गए छात्रावासों में छोटी मोटीअनुरक्षण संबंधी कार्यों का त्वरित निदान किया जा सके और छात्रों को असुविधा से बचाया जा सके।

इस बैठक में एन आई टी उत्तराखंड की तरफ से डॉ जी एस बरार, डीन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, डॉ आदित्य अनुपम एसोसिएट डीन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट और कार्य दायी संस्था के तरफ सुनील कुमार शर्मा (मुख्या अभियंता), राजीव वर्मा(सहायक अभियंता, सिविल) एवं रोहित कुमार (सहायक अभियंता, इलेक्ट्रिकल) ने शिरकत किया।

भारत पुन : ज्ञान की वैश्विक महाशक्ति बनेगा

- एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर और हमीरपुर के निदेशक के मध्य हुआ एमओयू
- बीटेक और एमटेक के छात्रों को एक-दूसरे संस्थान में प्रवेश पर होगा विचार

शिक्षा और शोध के क्षेत्र में एमओयू का आदान- प्रदान करते एनआइटी हमीरपुर के निदेशक प्रो. सूर्यवंशी और एनआइटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ● जागरण

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: शिक्षा और शोध क्षेत्र के साथ ही नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर (एनआइटी) और एनआइटी हमीरपुर मिलकर कार्य करेंगे। जिसे लेकर एनआइटी हमीरपुर के सभागार में एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और एनआइटी हमीरपुर के निदेशक प्रो. हीरालाल मुरलीधर सूर्यवंशी ने हस्ताक्षर किए। प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत को पुनः ज्ञान की वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित भी करेगी। प्रो. अवस्थी ने कहा कि दोनों संस्थानों के संकाय सदस्यों और छात्रों के आदान प्रदान के साथ ही इस एमओयू से अब दोनों संस्थानों की प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और अन्य सहायक सुविधाओं तक एक-दूसरे की पहुंच भी बनेगी। नवाचार, कौशल विकास और उद्यमिता गतिविधियों को बढ़ाने में भी यह एमओयू प्रभावी बनेगा।

उन्होंने कहा कि दोनों ही संस्थान राष्ट्रीय महत्व के संस्थान हैं। दोनों संस्थानों में अध्ययनरत बीटेक और एमटेक के छात्रों को एक-दूसरे संस्थान में बिना गेट परीक्षा के एमटेक और पीएचडी में सीधे प्रवेश कराने पर भी विचार किया जा सकता है। एनआइटी हमीरपुर के निदेशक प्रो. हीरालाल मुरलीधर सूर्यवंशी ने कहा कि एमओयू हो जाने से राष्ट्रीय महत्व के दोनों संस्थानों के विकास में तेजी भी आएगी। एनआइटी उत्तराखंड एक नवस्थापित संस्थान है। उसके युवा और प्रतिभावान संकाय सदस्य अब यह एमओयू हो जाने से एनआइटी हमीरपुर के अनुभवी संकाय सदस्यों के साथ मिलकर अनुसंधान और बौद्धिक संपदा संरक्षण के नए मानक भी स्थापित करेंगे। प्रो. सूर्यवंशी ने कहा कि यह एमओयू शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में दोनों संस्थानों को और करीब लाने में भी सहयोगी बनेगा।

उत्तराखंड की खबरें पढ़ें www.jagran.com/state/uttarakhand

हमीरपुर संस्थान के साथ मिलकर कार्य करेंगी एनआईटी श्रीनगर

■ श्रीनगर/एसएनबी। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर के मध्य शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एमओयू हस्ताक्षर हुआ है। इस एमओयू के तहत दोनों संस्थानों के मध्य छात्रों का आदान प्रदान, शोध कार्य सहित तमाम गतिविधियां आयोजित की जाएगी। इस समझौता ज्ञापन पर एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी और एनआईटी हमीरपुर के निदेशक प्रोफेसर हीरालाल मुरलीधर सूर्यवंशी ने हस्ताक्षर किए।

दोनों संस्थानों के बीच हुआ एमओयू साइन

एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो.अवस्थी ने कहा कि एमओयू दोनों संस्थानों के मध्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप अपने शैक्षणिक कार्यक्रम में वंचित परिवर्तनों करने, छात्रों को बहुआयामी और अंत:विषय शिक्षा प्रदान करने, उनके कौशल और रोजगार योग्यता का विकास करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों का क्षमता निर्माण करने के लिए किया गया है।

एनआईटी हमीरपुर के निदेशक प्रो.सूर्यवंशी ने समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एनआईटी उत्तराखंड एक नव स्थापित संस्थान है उसके युवा और प्रतिभावान संकाय सदस्य एनआईटी हमीरपुर के अनुभवी संकाय सदस्यों के साथ मिलकर अनुसन्धान और बौद्धिक सम्पदा संरक्षण के नए मानक स्थापित कर सकते है। दोनों संस्थानों को शिक्षा और अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में करीब लाने और छात्रों को अद्वितीय प्रदर्शन करने के लिए प्रतिस्पर्धी माहौल पैदा करने में सक्षम होगा।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हमीरपुर ने शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। एनआईटी श्रीनगर उत्तराखंड के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी और एनआईटी हमीरपुर के माननीय निदेशक प्रोफेसर हीरालाल मुरलीधर सूर्यवंशी ने समझोता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रुपांतकारी सुधारो जैसे कि शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, बहुविषयक और बहु-संस्थागत बनाने की आवश्यकता है जिससे कि प्रत्येक छात्र में समाहित अद्वितीय क्षमताओं को बाहर लाया जा सके और एक बार पुन: भारत को ज्ञान की वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि यह एमओयू दोनों संस्थानों के मध्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप अपने शैक्षणिक कार्यक्रम में वंचित परिवर्तनों करने, छात्रों को बहुआयामी और अंत:विषय शिक्षा प्रदान करने, उनके कौशल और रोजगार योग्यता का विकास करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों का क्षमता निर्माण करने के लिए किया गया है।

प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि एमओयू में उल्लिखित नियमों और शर्तों के अनुसार दोनों संस्थान पारस्परिक हित के क्षेत्रों में अकादमिक सहयोग और शैक्षिक प्रणालियों की बेहतरी के लिए आपसी विषयों पर संयुक्त रूप से अल्पावधि पाठ्यक्रम, सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आयोजित करने, वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान या प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संयुक्त रूप से प्रस्ताव देना, शिक्षा और अनुसंधान के अल्पावधि संकाय-छात्रों का आदान-प्रदान एवं प्रयोगशाला, पुस्तकालय और अन्य सहायक सुविधाओं तक पहुंच बनाने पर सहमत हुए हैं। इसके अलावा यह समझौता ज्ञापन नवाचार, कौशल विकास और उद्यमिता गतिविधियों का भी समर्थन करता है जिससे कि नई प्रौद्योगिकी निर्माण और नए उत्पादो का विकास किया जा सके। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए प्रोफेसर अवस्थी कहा कि दोनों ही संस्थान राष्ट्रीय महत्व के संस्थान है अत: भविष्य में इस सहयोग को विस्तार देते हुए दोनों संस्थाओ में अध्ययनरत बी टेक और एम टेक के छात्रों को एक दूसरे संस्थान में क्रमश: एम टेक और पीएचडी कार्यक्रम में सीधे प्रवेश के लिए, गेट या किसी अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता से मुक्त रखने पर भी विचार किया जा सकता है।

एनआईटी हमीरपुर के निदेशक प्रोफेसर सूर्यवंशी ने समझौते पर प्रसन्नता जाहिर किया और कहा कि एनआईटी उत्तराखंड एक नव स्थापित संस्थान है उसके युवा और प्रतिभावान संकाय सदस्य एनआईटी हमीरपुर के अनुभवी संकाय सदस्यों के साथ मिलकर अनुसन्धान और बौद्धिक सम्पदा संरक्षण के नए मानक स्थापित कर सकते है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों को शिक्षा और अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में करीब लाने और छात्रों को अद्वितीय प्रदर्शन करने के लिए प्रतिस्पर्धी माहौल पैदा करने में सक्षम होगा।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी के एक वर्ष पूरा होने पर फैकल्टी वेलफेयर सेक्शन, अधिकारियों, कर्मचारियों ने मिलन समारोह किया आयोजित

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/पौडी/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड के माननीय निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी के पांच वर्षों के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण हो गया है। एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में, प्रोफेसर अवस्थी ने उच्च शिक्षा और शासन प्रणालियों के पुनर्गठन और पुनर्रचना के कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस परिप्रेक्ष्य में प्रोफेसर अवस्थी को एक संस्थागत निर्माता होने का गौरव प्राप्त है। एनआईटी उत्तराखंड में अपना पदभार ग्रहण करने से पूर्व वे एनआईटी जालंधर के निदेशक रह चुके इसके अलावा उन्होंने एनआईटी दिल्ली और एनआईटी हमीरपुर के प्रभारी निदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दी है। अपने पिछले एक साल के कार्यकाल दौरान प्रोफेसर अवस्थी ने एनआईटी उत्तराखंड में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन से लेकर, प्राचीन भारतीय शैक्षणिक संस्कृति को पुनर्जीवित करने, प्रशासनिक प्रणाली को सुव्यवस्थित करने और संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने में गतिशील भूमिका निभाई है। इन महत्वपूर्ण और रूपांतकारी सुधारों ने संस्थान को आगे बढ़ाने और उच्च तकनीकी शिक्षा के महत्वपूर्ण संस्थान के रूप में उभरने में मदद की है।प्रोफेसर

अवस्थी के कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर संस्थान के फैकल्टी वेलफेयर सेक्शन ने 9 फरवरी को संकाय सदस्यों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एक मिलन समारोह आयोजित किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने पूर्ण सहयोग और समर्थन देने के लिए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ आर के त्यागी , चेयरमैन बीओजी, संस्थान के सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा एनआईटी उत्तराखंड तेजी से प्रगति कर रहा है, विगत वर्ष संस्थान ने जो भी उपलब्धियां अर्जित की है वो सभी लोगो के सर्वश्रेष्ठ प्रयासों का नतीजा है। उन्होंने आगे कहा यद्यपि हम हमेशा शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल नहीं कर सकते, फिर भी हमें सदैव और बेहतर करने का लक्ष्य रखना चाहिए और मार्ग में जो थोड़ी बहुत कठिनाइयाँ और व्यवधान आ रहे है उन्हें सिस्टम का हिस्सा समझकर निरन्तर लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहना चाहिए।

प्रोफेसर अवस्थी ने आचार्य चाणक्य के वाक्य शिक्षक कभी साधारण नहीं होता। का उल्लेख करते हुए कहा एक शिक्षक राष्ट्र निर्माता होता है। वह अपनी असाधारण सृजनात्मक क्षमता से छात्रों को प्रशिक्षित करता है जो आगे चलकर राष्ट्र का निर्माण करते है।उन्होंने सभी संकाय सदस्यों का आह्वान किया कि सभी लोग एक टीम के रूप में कार्य करते हुए क्षेत्रीय और उत्तराखंड राज्य की समस्याओं का व्यावहारिक हल ढूढ़ने का प्रयत्न करे जिससे की एनआईटी के उत्तराखंड राज्य में स्थित होने की सार्थकता को सिद्ध किया जा सके।नारी सशक्तिकरण पर जोर देते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने संस्थान की महिला संकाय सदस्यों का आह्वान किया की वे एक समूह बनाकर आस पास के ग्रामीण क्षेत्रो में महिलाओं को शिक्षित करें जिससे की उनके लिए रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर डॉ हरिहरन मुथुसामी, डीन फैकल्टी वेलफेयर ने कहा कि निदेशक महोदय के कुशल मार्गदर्शन में विगत वर्ष संस्थान ने उल्लेखनीय प्रगति की है जिसमे से शैक्षणिक सुधार, नीतिगत सुधार, छात्रों के इंटर्नशिप, प्लेसमेंट ऑफर की संख्या और औसत वेतन पैकेज में वृद्धि, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों और औद्योगिक संस्थाओ के साथ एमओयू और संस्थान की छवि में सुधार कुछ प्रमुख है। इसके अलावा विगत वर्ष संस्थान को लगभग 2 करोड़ रूपये का प्रोजेक्ट अनुदान और 1 करोड़ रूपये का कन्सल्टेन्सी प्रोजेक्ट और दो पेटेंट प्रदान किया गया है और 150 से अधिक शोधपत्र एससीआई अनुकमित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए है। संस्थान के प्रभारी कुलसचिव डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी ने कहा निदेशक महोदय के गतिशील नेतृत्व में संस्थान ने कई विचारो को वास्तविकता में बदलते हुए देखा है। उनके अथक प्रयसों से विगत वर्ष संस्थान को लगभग 10 करोड़ रूपये की धनराशि संस्थान आवंटित कि गयी, शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक रिक्त पदों को भरने के लिए विज्ञप्ति जारी किया गया, नवनिर्मित छात्रावासों में छात्रों को समायोजित किया गया, खरीद प्रक्रिया की जटिलता को सुगम बनाया गया ताकि प्रयोगशालाओं को और आधुनिक बनाया जा सके। इसके अलावा निदेशक महोदय ने एडवेंचर ट्रिप्स और स्पोर्ट्स एक्टिविटीज के दौरान छात्रों के आवागमन में जो दिक्कते आ रही थी उनको दूर करने के लिए दो बसों को खरीदने की भी अनुमति दे दी है जिसकी प्रक्रिया संभवतः एक पखवाड़े के अंदर पूरी कर ली जाएगी। इस अवसर पर संस्थान के सभी कर्मचारियों और संकाय सदस्यों ने कुशल मार्गदर्शन और संस्थान में दिए गए योगदान के लिए निदेशक महोदय के प्रति आभार प्रकट किया और उनके नेतृत्व में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ सामूहिक रूप में कार्य करने की प्रतिबद्धता जाहिर किया।

तेजी से प्रगति कर रहा है एनआईटी : निदेशक

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने पर संकाय सदस्यों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एक मिलन समारोह आयोजित हुआ। समारोह की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि एनआईटी उत्तराखंड तेजी से प्रगति कर रहा है। गत वर्ष संस्थान ने जो भी उपलब्धियां अर्जित की है वो सभी लोगों के सर्वश्रेष्ठ प्रयासों का नतीजा है। डीन फैकल्टी वेलफेयर डॉ. हरिहरन मुथुसामी ने कहा कि निदेशक के कुशल मार्गदर्शन में गत वर्ष संस्थान ने उल्लेखनीय प्रगति की है। गत वर्ष संस्थान को लगभग दो करोड़ का प्रोजेक्ट अनुदान और एक करोड़ का कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट और दो पेटेंट प्रदान किए गए हैं। संस्थान के प्रभारी कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि निदेशक के अथक प्रयासों से गत वर्ष संस्थान को करीब 10 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई। शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक रिक्त पदों को भरने के लिए विज्ञप्ति जारी हुई। संवाद

एनआईटी कर रहा प्रगति: प्रो. अवस्थी

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी का एनआईटी में एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर प्रो. अवस्थी ने पूर्ण सहयोग और समर्थन देने के लिए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, बीओजी चेयरमैन डा. आरके त्यागी आदि का धन्यवाद किया।

जोशीमठ के ट्रीटमेंट में तकनीकी सहायता के लिए एनआईटी तैयार

भू-धंसाव के प्रभावित क्षेत्र का सर्वेक्षण कर लौटी टीम ने दिए गए सुझाव

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) उत्तराखंड भू-धंसाव की समस्या झेल रहे जोशीमठ शहर के ट्रीटमेंट के लिए तकनीकी सहायता देने को तैयार है। संस्थान की टीम ने जोशीमठ के सर्वेक्षण के बाद पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण कार्य के लिए सुझाव भी दिए हैं। संस्थान के अनुसार, सर्वे रिपोर्ट को प्रदेश शासन सहित जिलाधिकारी चमोली को भेजा जा रहा है।

गत माह एनआईटी उत्तराखंड ने अपने स्तर पर चार इंजीनियरों को जोशीमठ भेजा। टीम के सदस्य सिविल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ. क्रांति जैन, ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग के डॉ. आदित्य कुमार अनुपम और जियोटेक्नीक इंजीनियरिंग के डॉ. विकास प्रताप सिंह व डॉ. शंशाक बत्रा ने जोशीमठ शहर में प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। टीम की ओर से सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार कर निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी को सौंप दी गई है।

टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. जैन ने बताया कि सर्वेक्षण के दौरान प्रारंभिक रूप से भू-धंसाव के लिए जिम्मेदार पांच प्रमुख कारक सामने आए। उन्होंने बताया कि बहुत ही सीमित जगह पर बहुमंजिला इमारत खड़ी कर दी गई। इससे जमीन के अंदर अत्याधिक दबाव बढ़ गया जिससे ढाल अस्थिर हो गए। शहर में पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं है। जोशीमठ कमजोर स्थान पर बसा है। यह टेक्टोनिक प्लेट के समीप स्थित है।

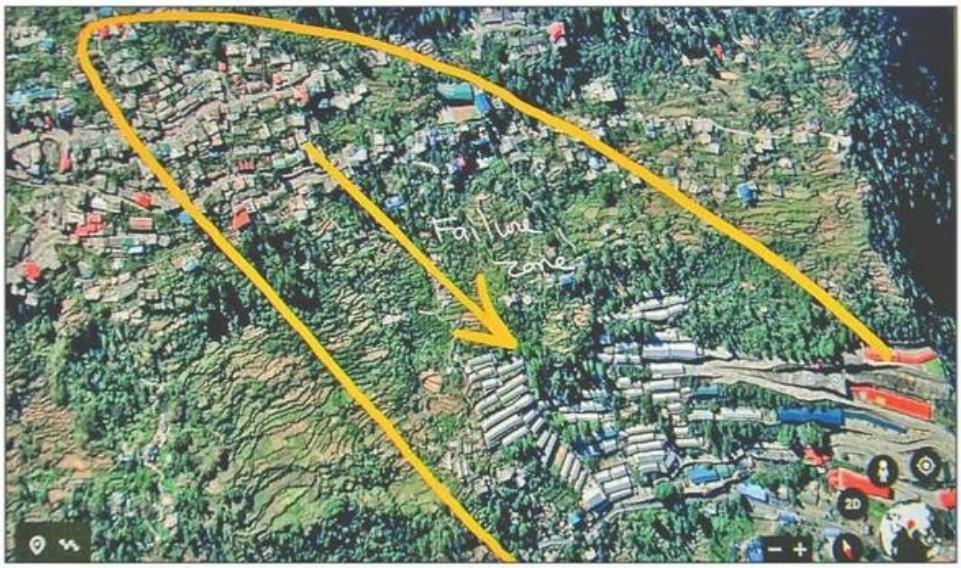

एनआईटी के इंजीनियरों की ओर से दर्शाया गया जोशीमठ का सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र। संवाद

टीम की ओर से दिए गए सुझाव

- पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण से पूर्व जियोटेक्नीकल, जियोलॉजिकल, भूकंपीय जांच जरुरी हो।
- स्थानीय निकायों को नियमावली बनाकर निर्माण व भूमि के मानक लागू करने चाहिए।
- ठेकेदारों को मानकों के अनुसार निर्माण के लिए प्रशिक्षण दिया जाए।
- पहाड़ी क्षेत्रों में जल निकासी व सीवेज निस्तारण की उचित व्यवस्था हो।
- संवेदनशील जोन की पहचान करने के साथ ही लगातार निगरानी हो।
- एनआईटी की ओर से दी जा सकती यह तकनीकी सहायता
- संस्थान ढलानों की स्थिरता का अध्ययन कर भवन निर्माण व सड़क निर्माण कार्य हेतु उपचारात्मक उपायों का देगी सुझाव।
- जियोटेक्नीकल एवं जियोलॉजिकल जांच के आधार पर ढांचागत सुविधाओं के विकास हेतु देगी सुझाव।
- पहाड़ में भूकंपरोधी भवनों के निर्माण हेतु डिजायन उपलब्ध कराने में सहयोग।
- हल्की एवं लचीली सामग्री को बढ़ावा देने के लिए करेगी सहयोग। ताकि कभी जरुरत पड़े तो ढांचे को दूसरी जगह शिफ्ट किया जा सके।
- ठेकेदारों को जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण।

सर्वे रिपोर्ट उत्तराखंड के आपदा प्रबंधन सचिव को भेजी जा रही है। यदि किसी सरकारी/गैर सरकारी एजेंसी और स्थानीय व्यक्ति को तकनीकी सहायता चाहिए होगी, तो संस्थान इसके लिए तैयार है। **-प्रो. ललित कुमार अवस्थी,** निदेशक एनआईटी उत्तराखंड

सेमीकंडक्टर उद्योग में बढ़ेंगे मौके : प्रो. अवस्थी

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स एन्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सेमीकंडक्टर उद्योगों में अवसर विषय पर एक शार्ट टर्म कोर्स का आयोजन किया जा रहा है। ऑनलाइन माध्यम से संचालित किये जा रहे इस शार्ट टर्म कोर्स का शुभारंभ एनआईटी के निदेशक प्रो.ललित कुमार अवस्थी ने किया।

एनआईटी उत्तराखंड शुरू हुआ शार्ट टर्म कोर्स

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रो.अवस्थी ने कहा जनसांख्यिकीय लाभ की दृष्टि से भारत एक समृद्धशाली देश है और इसे दुनिया के सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक होने का गौरव प्राप्त है हमें बढ़ती आबादी को एक संसाधन के रूप में उपयोग करते हुए अपने इंजीनियरों और टेक्नोक्रेट्स को नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी प्रदाताओं में परिवर्तित करके इस स्थिति का लाभ उठाने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अर्द्धचालक उद्योग आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, क्योंकि यह विभिन्न आवश्यकताओं के लिए जरूरी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, विशेष रूप से माइक्रो-सेंसर्स और चिप सिस्टम के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कहा कि इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स और मशीन लर्निंग की बढ़ती अवधारणा के साथ भविष्य में अर्धचालकों की मांग बढ़ने वाली है इसलिए सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास में योगदान देने के लिए इस क्षेत्र में तकनिकी रूप से कुशल और अधिक प्रतिभाबल की आवश्यकता होगी। समारोह को सम्बोधित करते हुए प्रो.एडम टेमन ने सेमीकंडक्टर्स की उपयोगिता पर बोलते हुए कहा कि अगर हम पीछे मुड़कर देखें तो पाएंगे कि हम अधिक से अधिक परिष्कृत और छोटी तकनीकों की ओर बढ़ रहे हैं और भविष्य में सेमीकंडक्टर और प्रौद्योगिकी उद्योग व्यवसाय में हर कोई अधिक विविधता से लाभान्वित होगा। इस मौके पर डा.धर्मेंद्र त्रिपाठी, प्रभारी कुलसचिव, डा.हरिहरन मुथुसामी, डीन रिसर्च एंड कंसल्टेंसी, डा.सारिका पाल, डा. तेजिंदर सिंह अरोरा आदि थे।

6 दैनिक जागरण देहरादून, 15 फरवरी, 2023 गढ़वाल जागरण www.jagran.com

एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर में दीप जलाकर सेमीकंडक्टर उद्योगों में अवसर को लेकर आयोजित शार्ट टर्म कोर्स का शुभारंभ करते एनआइटी निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ● जागरण

भविष्य में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में तेजी से मांग बढ़ेगी

श्रीनगर गढ़वालः सेमीकंडक्टर उद्योगों में अवसर विषय को लेकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी उत्तराखंड श्रीनगर (एनआइटी) के इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग ने शार्ट टर्म कोर्स का आयोजन किया है। शार्ट टर्म कोर्स का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने किया। बार-इलान यूनिवर्सिटी इजराइल के प्रो. एडम टेमन बतौर विशिष्ट अतिथि आनलाइन इस कार्यक्रम से जुड़े।

प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि इंटरनेट आफ थिंक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग की बढ़ती अवधारणा के साथ भविष्य में अर्थ चालकों (सेमीकंडक्टर) उद्योग में भी मांग तेजी से बढ़ने वाली है। इसके लिए सेमीकंडक्टर क्षेत्र में तकनीकी रूप से कुशल प्रतिभाशाली की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि भारत के पास असाधारण सेमीकंडक्टर डिजाइन टेलेंट टूल है जो दुनिया के सेमीकंडक्टर डिजाइन इंजीनियरों का 70 प्रतिशत तक है। फिर भी ज्यादातर माइक्रो-सेंसर और चिप सिस्टम का आयात किया जाता है। भारत सरकार ने इस उद्योग के विकास को प्राथमिकता दी है। कंपनियों को इस क्षेत्र में निवेश के लिए प्रोत्साहित भी किया है। प्रो. एडम टेमन ने कहा कि हम अधिक से अधिक परिस्कृत और छोटी तकनीकों की ओर बढ़ रहे हैं। भविष्य में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में तेजी से विकास होना है। इस अवसर पर एनआइटी के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी के साथ ही एनआइटी के रिसर्च एंड कंसलटेंसी विभाग के डीन डा. हरिहरन मुथुसामी, डा. सारिका पाल, डा. तेजिंदर सिंह अरोरा के साथ ही फैकल्टियां और शोध छात्र भी उपस्थित थे। (जासं)

यूजेवीएन लिमिटेड
मुख्यालय: "उज्जवल", महारानी बाग, जी०एम०एस० रोड, देहरादून-248006,
दूरभाष सं0: 0135-2763808, फैक्स नं0: 0135-2763508,
सी०आई०एन० सं0 U40101UR2001SGC025866, वेबसाईट: www.ujvnl.com

पत्रांक सं0 138 समय विस्तार-1 दि0 14.02.2023

अपरिहार्य कारणों से कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (परीक्षण) ढकरानी द्वारा कार्य 220/110 वोल्ट बैटरी बैंक तथा बैटरी चार्जर्स की सर्विसिंग हेतु आमंत्रित निविदा संख्या 09/EE(Test)/DKN/2022-23 की तिथियों को निम्न प्रकार विस्तारित किया जाता है।

वेबसाईट से निविदा डाउनलोड करने की अन्तिम तिथि: 26.02.2023, 24:00 बजे तक।
निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि: 27.02.2023 16:00 बजे तक।
निविदा खोलने की तिथि: 28.02.2023, 15:30 बजे।
अन्य जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाईट देखें। निविदा प्रपत्र निगम की वेबसाईट www.ujvnl.com से डाउनलोड किया जा सकता है।

"बिजली के दुरूपयोग से बचें" अधिशासी अभियन्ता (परीक्षण)

State Project Implementation Unit, UKWD Project
Govt. ITI (Women) Campus 26-EC Road, Dehradun – 248001.
Email-spiuukwdp@gmail.com

E-PROCUREMENT TENDER NOTICE

Project Director, Uttarakhand Workforce Development Project (UKWDP), Department of Skill development and Employment (DSDE) hereby inviting reputed firms to participate in e-tender for the Procurement of Desktop Computers & Computer Furniture for IT Labs in various Government ITI's in Uttarakhand.

S.No.	Name of Package	Method
1	Desktop computer & Server	NCB
2	Computer Furniture	Shopping

A complete set of bidding documents is available on the website-https://

एनआईटी व जीएचईसी बिलासपुर के बीच एमओयू

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड और राजकीय हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज (जीएचईसी), बिलासपुर हिमांचल प्रदेश के साथ एक शैक्षणिक समझौता किया गया। इस समझौता ज्ञापन पर एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और निदेशक-कम-प्रिंसिपल जीएचईसी बिलासपुर डॉ. हिमांशु मोंगा ने हस्ताक्षर किए।

एनआईटी निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा कि यह समझौता हाइड्रो पावर के क्षेत्र में शैक्षणिक अवसरों को आगे बढ़ाने के लिए किया गया है। जल विद्युत उद्योग के लिए सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग सहित अन्य क्षेत्रों में फैले तकनीकी कौशल के संयोजन की आवश्यकता होती है। डॉ. हिमांशु मोंगा ने समझौता ज्ञापन को ऐतिहासिक पहल बताया। संवाद

जलविद्युत उद्योग को तैयार होगा विशेष कार्यबल

- एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर और जीएचईसी विलासपुर के मध्य एमओयू हुआ
- एनआइटी और जीएचईसी के संकाय सदस्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभाग करेंगे

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: हाइड्रो पावर तकनीकी क्षेत्र में शैक्षणिक तकनीकी अवसरों को आगे बढ़ाने को लेकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर (एनआइटी) और गवर्नमेंट हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज (जीएचईसी) विलासपुर हिमाचल प्रदेश के मध्य एमओयू हुआ। जीएचईसी विलासपुर के सभागार में एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और जीएचईसी के निदेशक डा. हिमांशु मोंगा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि हाइड्रो पावर क्षेत्र में शैक्षणिक तकनीकी अवसरों को आगे बढ़ाने में यह एमओयू मजबूत आधार बनेगा। जल उद्योग के लिए सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग सहित अन्य क्षेत्रों के तकनीकी कौशल के संयोजन की भी आवश्यकता होती है। विश्व पटल पर भी जलविद्युत तकनीकी उद्योग क्षेत्र के लिए एक विशेष तकनीकी कार्यबल तैयार करना भी इस एमओयू का उद्देश्य है। एमओयू होने से एनआइटी अब हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज को पाठ्यक्रम डिजाइन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन आदि क्षेत्रों में सहयोग करेगा। एनआइटी व जीएचईसी के संकाय सदस्य विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर सकेंगे। अनुसंधान व तकनीकी शिक्षा कार्यक्रम को बढ़ावा मिलेगा। जीएचईसी के निदेशक डा. हिमांशु मोंगा ने कहा कि एमओयू होने से संस्थान के शोध और अनुसंधान कार्य में जहां उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

एनआईटी-जीएचईसी के बीच हुआ एमओयू

श्रीनगर, संवाददाता। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर और गवर्नमेंट हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज (जीएचईसी), बिलासपुर हिमांचल प्रदेश के साथ एक शैक्षणिक समझौता किया गया। इस समझौता ज्ञापन पर एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी उत्तराखंड और निदेशक- कम-प्रिंसिपल जीएचईसी बिलासपुर डॉ. हिमांशु मोंगाने हस्ताक्षर किए।

एनआईटी निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा कि यह समझौता हाइड्रो पावर के क्षेत्र में शैक्षणिक अवसरों को आगे बढ़ाने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि जल विद्युत उद्योग के लिए सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग सहित अन्य क्षेत्रों में फैले तकनीकी कौशल के संयोजन की आवश्यकता होती है। इस समझौते के तहत दोनों संस्थान बौद्धिक क्षमता का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए विशिष्ट तकनीकी मानव संसाधन के सृजन में एक दूसरे का सहयोग करेंगे ताकि भारत में ही नहीं अपितु विश्व स्तर पर भी जलविद्युत उद्योग के लिए एक विशेष कार्यबल तैयार किया जा सके। इस समझौते के तहत एनआईटी, उत्तराखंड हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज को शिक्षण एवं प्रशिक्षण पद्धति, पाठ्यक्रम डिज़ाइन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, पाठ्यक्रम डिजाइन आदि कार्यों में अपना सहयोग प्रदान करेगा। साथ ही साथ एनआईटी, जीएचईसी, बिलासपुर के संकाय सदस्यों प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने और बीटेक छात्रों को स्व-प्रायोजित एमटेक प्रोग्राम में प्रवेश में छूट देने पर भी विचार कर सकता है।

जीएचईसी बिलासपुर के डॉ. हिमांशु मोंगा ने प्रोफेसर अवस्थी का समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

टीएचडीसी व एनआईटी मिलकर करेंगे कार्य

दोनों संस्थानों के बीच हुआ एमओयू साइन

■ श्रीनगर/एसएनबी।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने टीएचडीसी इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोपावर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी टिहरी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। इस समझौता ज्ञापन पर एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी व टीएचडीसी आईएचईटी के निदेशक प्रो.शरद कुमार प्रधान ने श्रीनगर परिसर में स्थित कांफ्रेंस रूम में हस्ताक्षर किया गया।

एनआईटी के निदेशक प्रो.अवस्थी ने कहा टीएचडीसी आईएचईटी के साथ यह समझौता पांच वर्षों की अवधि के लिया गया है। इसके उपरांत आपसी सहमति से इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हाइड्रोपावर के लिए सिविल हाइड्रोलॉजी, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग सहित अन्य क्षेत्रों में फैले तकनीकी कौशल के संयोजन की आवश्यकता होती है। इस समझौते के तहत दोनों संस्थान उत्तराखंड राज्य और राष्ट्रीय हित की आवश्यकता के लिए विशिष्ट तकनीकी मानव संसाधन के सृजन में एक दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके अलावा इस एमओयू में पारस्परिक रुचि के आधार पर अनुसंधान और शिक्षा कार्यक्रम, आपसी विषयों पर संयुक्त रूप से अल्पकालिक सतत शिक्षा कार्यक्रम, सेमिनार, सम्मेलन या कार्यशाला आयोजित करना, वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान या प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संयुक्त रूप से प्रस्ताव देना, शिक्षा और अनुसंधान के उद्देश्य के लिए सीमित अवधि के लिए संकाय और छात्रों का आदान-प्रदान करना शामिल है।

प्रो. सरद कुमार प्रधान ने कहा कि एनआईटी उत्तराखंड और टीएचडीसी-आईएचईटी के बीच शैक्षणिक सम्बन्ध की यह एक ऐतिहासिक पहल है। इस समझौते के तहत दोनों संस्थानो के शोध और अनुसन्धान कार्य में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर और गवर्नमेंट हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज बिलासपुर हिमाचल के बीच शैक्षणिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति –2020 को ध्यान में रखते हुए, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड द्वारा अपने अकादमिक तंत्र को और व्यापक करने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इस श्रृंखला में संस्थान द्वारा सोमवार 20 फ़रवरी को गवर्नमेंट हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज(जीएचईसी), बिलासपुर हिमांचल प्रदेश के साथ एक शैक्षणिक समझौता किया गया। इस समझौता ज्ञापन पर प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी, माननीय निदेशक एनआईटी उत्तराखंड और डॉ हिमांशु मोंगा, निदेशक-कम-प्रिंसिपल, जीएचईसी, बिलासपुर ने हस्ताक्षर किया।

समझौता ज्ञापन पर चर्चा करते हुए प्रोफेससर अवस्थी ने कहा कि यह समझौता हाइड्रो पावर के क्षेत्र में शैक्षणिक अवसरों को आगे बढ़ाने और के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि जलविद्युत उद्योग के लिए सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग सहित अन्य क्षेत्रों में फैले तकनीकी कौशल के संयोजन की

आवश्यकता होती है। इस समझौते के तहत दोनों संस्थान बौद्धिक क्षमता का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए विशिष्ट तकनीकी मानव संसाधन के सृजन में एक दूसरे का सहयोग करेंगे ताकि भारत में ही नहीं अपितु विश्व स्तर पर भी जलविद्युत उद्योग के लिए एक विशेष कार्यबल तैयार किया जा सके।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि जीएचईसी, बिलासपुर एक नवस्थापित संस्थान है जिसकी स्थापना 2017 कि गयी है। इस समझौते के तहत एनआईटी, उत्तराखंड हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज को शिक्षण एवं प्रशिक्षण पद्धति, पाठ्यक्रम डिज़ाइन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, पाठ्यक्रम डिजाइन आदि कार्यों में अपना सहयोग प्रदान करेगा। साथ ही साथ एनआईटी, जीएचईसी, बिलासपुर के संकाय सदस्यों प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने और बी.टेक छात्रों को स्व-प्रायोजित एम टेक प्रोग्राम में प्रवेश में छूट देने पर भी विचार कर सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि उपरोक्त सहयोग कार्यक्रम के अलावा इस एमओयू में पारस्परिक रूचि के आधार पर अनुसन्धान और शिक्षा कार्यक्रम; आपसी विषयों पर संयुक्त रूप से अल्पकालिक सतत शिक्षा कार्यक्रम, सेमिनार, सम्मेलन या कार्यशाला आयोजित करना, वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान या प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संयुक्त रूप से प्रस्ताव देना, शिक्षा और अनुसंधान के उद्देश्य के लिए सीमित अवधि के लिए संकाय और छात्रों का आदान-प्रदान करना भी शामिल है।

प्रोफेसर अवस्थी ने आगे कहा कि दोनों ही संस्थान पहाड़ी राज्य में स्थित है जिनकी भौगोलिक संरचना मिलती जुलती है। दोनों राज्यों के विकास के लिए बांध परियोजनाएं, सड़कें, सुरंगें आदि आवश्यक है। अत: दोनों संस्था मिलकर ऐसी तकनीकों को विकसित करने की दिशा में काम कर सकते है जिससे विकास भी बाधित न हो और पहाड़ो का संतुलन भी बना रहे।

डॉ हिमांशु मोंगा जी ने समझौता ज्ञापन को ऐतिहासिक पहल बताते हुए प्रोफेसर अवस्थी का समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा एनआईटी उत्तराखंड राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है। तकनिकी क्षेत्र में संस्थान की अलग पहचान है। उन्होंने आशा व्यक्त की इस समझौते के तहत जीएचईसी, बिलासपुर के शोध और अनुसन्धान कार्य में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी।

उद्योग के अनुसार छात्र होंगे तैयार

एनआइटी उत्तराखंड व कोवेलियंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड मोहाली के मध्य एमओयू

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर (एनआइटी) और उद्योग क्षेत्र के मध्य बेहतर समन्वय बनाने को लेकर एनआइटी उत्तराखंड के निदेशक की पहल पर कोवेलियंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड मोहाली चंडीगढ़ और एनआइटी के मध्य एमओयू हुआ। जिस पर एनआइटी श्रीनगर की ओर से निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और कोवेलियंस उद्योग की ओर से नरिंदर अहलूवालिया ने हस्ताक्षर किए । मोहाली में कोवेलियंस इंडिया के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि तकनीकी संस्थानों और उद्योगों के बीच बेहतर और प्रभावी संपर्क समय की मांग है। इस एमओयू के हो जाने से एनआइटी उत्तराखंड के छात्रों को जहां उद्योगों की जरूरतों का पता चलेगा वहीं उद्योग जगत को भी अपनी जरूरतों के अनुसार तकनीकी कौशल वाले विषय विशेषज्ञ मिलेंगे। उन्होंने कहा कि छात्रों को उद्योग की आवश्यकताओं के लिए तैयार करने के लिए यह एमओयू कौशल और क्षमता विकास करने में प्रभावी भी बनेगा।

एमओयू होने पर एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक (दायें) प्रो. ललित अवस्थी का आभार व्यक्त करते कोवेलियंस उद्योग इकाई मोहाली के प्रमुख नरिंदर अहलूवालिया ● जागरण

कोवेलियंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड मोहाली चंडीगढ़ के साथ एमओयू कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि उद्योग के विशेषज्ञ बाजार की आवश्यकताओं के अनुसार अब संयुक्त रूप से प्रशिक्षण और ओरियंटेशन कैप्सूल भी आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि इसे इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में शामिल करते हुए दस से बारह घंटे के माड्यूल के लिए एक क्रेडिट 12 से 24 घंटे के लिए दो क्रेडिट और 30 से 36 घंटों के लिए छात्रों को तीन क्रेडिट मिलेंगे। अप्रैल में कोवेलियंस उद्योग के विशेषज्ञ एनआइटी के संकाय सदस्यों के लिए भी दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करेंगे। प्रो. अवस्थी ने कहा कि इस एमओयू के हो जाने से स्टार्टअप को भी बढ़ावा मिलेगा। कोवेलियंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रमुख नरिंदर अहलूवालिया ने एमओयू को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे तकनीकी शिक्षा और उद्योग के मध्य सीधे संपर्क बनेगा। जिससे उद्योग की जरूरतों के अनुसार कौशल भी विकसित होंगे।

छात्रों में तकनीकी और क्षमता विकास के लिए हुआ एमओयू

उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार दिया जाएगा प्रशिक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। छात्रों में तकनीकी और क्षमता विकास के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और कोवैलियंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मोहाली चंडीगढ़ के नरिंदर अहलुवालिआ के बीच एमओयू हुआ है।

कहा कि यह समझौता राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी व्यवधानों को दूर करने और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में अहम भूमिका निभाएगा। बुधवार को आयोजित

एनआईटी और कोवैलियंस इंडिया चंडीगढ़ के बीच समझौते पर हुए हस्ताक्षर

कार्यक्रम में प्रो. अवस्थी ने कहा कि यह समझौता कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार छात्रों को उन्मुखीकरण प्रदान करने के लिए किया गया है।

ताकि समय-समय पर विशेषज्ञ व्याख्यान के माध्यम से छात्रों को उद्योगों की आवश्यकताओं के लिए तैयार करने के लिए कौशल और क्षमता विकास निर्माण में अपना सहयोग प्रदान कर सकें और वह अपना बेहतर कैरिअर बना सकें। उन्होंने बताया कि कोवैलियंस इंडिया के विशेषज्ञ बाजार की आवश्यकताओं के अनुसार संयुक्त रूप से प्रशिक्षण और ओरिएंटेशन कैप्सूल आयोजित करेंगे। जबकि संकाय सदस्यों के लिए भी कार्यशाला होगी।

प्रो. अवस्थी ने बताया कि आगे चलकर इस समझौते को और विस्तार देने और इसके अंतर्गत संस्थान में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने पर भी विचार किया जाएगा। ताकि छात्रों को औद्योगिक समस्याओं के समाधान के लिए तकनीकी सहयोग मिल सके।

एनआईटी-कोवैलियंस के बीच एमओयू

श्रीनगर,संवाददाता। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर और कोवैलियन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मोहाली चंडीगढ़ के बीच एक एमओयू साइन किया गया।

इस समझौता ज्ञापन पर एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और कोवैलियन्स इंडिया प्राइवेट की ओर से नरिंदर अहलुवालिआ ने हस्ताक्षर किए। प्रो. अवस्थी ने कहा उद्योग-संस्थान सहभागिता राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के मूल स्तंभों में से एक है। यह समझौता ज्ञापन इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए

- एमओयू से अनुसंधान को प्रोत्साहन मिलेगा
- समस्याओं को हल करने में मिलेगी मदद

किया गया है। जिससे कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से उद्योग की आवश्यकता के अनुसार छात्रों को उन्मुखीकरण प्रदान करना किया जा सके। कहा कि इस समझौता ज्ञापन से स्टार्टअप, छात्रो के इंटर्नशिप और प्लेसमेंट, डिजाइन/प्रोटोटाइप बनाने के लिए नवाचार, प्रयोगशाला सुविधाओं को साझा करने, कार्यशालाओं/अतिथि व्याख्यान, संयुक्त अनुसंधान और विकास परियोजनाओं और अनुसंधान के संयुक्त प्रकाशनों से अनुसंधान को प्रोत्साहन मिलेगा। कहा आगे चलकर इस समझौते को और विस्तार देने और इसके अंतर्गत संस्थान में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस स्थापित करने पर भी विचार किया जाएगा। छात्रों को औद्योगिक समस्याओं का सामधान ढूंढ ने के लिए व्यापक रूप से तकनीकी सहयोग मिल सके। नरिंदर अहलुवालिआ ने समझौता ज्ञापन पर हर्ष जताया।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शैक्षणिक ढांचे में सुधारात्मक परिवर्तन, तकनीकी व्यवधानों को दूर करने हेतु राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर व कोवैलियन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड चंडीगढ़ के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

[redacted]

हरिद्वार (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप शिक्षा क्षेत्र में तकनीकी व्यवधानों को दूर करने और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए सतत प्रयत्नशील है और तदनरूप संस्थान के शैक्षणिक ढांचे बड़े सुधारात्मक परिवर्तन भी कर रहे है। इस सन्दर्भ में संस्थान ने बुधवार 22 फरवरी को कोवैलियन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मोहाली चंडीगढ़ के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस समझौता ज्ञापन पर एनआईटी, उत्तराखंड के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी और कोवैलियन्स इंडिया प्राइवेट की तरफ से नरिंदर अहलुवालिआ जी ने हस्ताक्षर किया।

समझौता ज्ञापन पर चर्चा करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा उद्योग-संस्थान सहभागिता राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मूल स्तंभों में से एक है। यह समझौता ज्ञापन इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए किये गया है ताकि कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से उद्योग की आवश्यकता के अनुसार छात्रों को उन्मुखीकरण प्रदान करना किया जा सके। उन्होंने जानकारी दी की समझौते में निहित शर्तों के अनुरूप कोवैलियन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड उद्योग प्रशिक्षण कैप्सूल, अभिविन्यास कार्यक्रम, उद्योग परिचय कार्यक्रम एवं समय-समय पर अतिथि विशेषज्ञ व्याख्यान के माध्यम से छात्रों को उद्योग की आवश्यकताओं के लिए तैयार करने के लिए कौशल और क्षमता विकास निर्माण में अपना सहयोग प्रदान करने के लिए सहमति प्रदान की है।

प्रोफेसर अवस्थी ने आगे कहा कि तकनीकी संस्थानों और उद्योग के बीच बेहतर संपर्क समय की मांग है क्योंकि औद्योगिक वातावरण में इंजीनियरिंग छात्रों के संपर्क और बाद में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विश्व स्तर की जनशक्ति तैयार करने पर इसका बहुत प्रभाव पड़ता है। इसीलिए, इस समझौते में एक प्रावधान यह भी रखा गया है जिसके तहत कोवैलियन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विशेषज्ञ बाजार की आवश्यकताओं के अनुसार संयुक्त रूप से प्रशिक्षण और ओरिएंटेशन कैप्सूल आयोजित करेंगे और इसे इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में शामिल करते हुए दस से बारह घंटे के मोड्यूल के लिए एक क्रेडिट, बारह से 24 घंटे के लिए दो क्रेडिट और 30 से 36 घंटे के के लिए छात्रों को तीन क्रेडिट दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अप्रैल के महीने में कोवैलियन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विशेषज्ञों द्वारा संकाय सदस्यों के लिए भी दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा जिसमें सभी संकाय सदस्यों को आवश्यक रूप से प्रतिभाग करना होगा।

प्रोफेसर अवस्थी ने अपनी बात आगे बढ़ते हुए कहा कि उद्योग और संस्थान काफी पहले से परस्पर सहयोग कर रहे हैं, लेकिन वैश्विक है। उन्होंने कहा कि इस समझौता ज्ञापन के तहत दोनों जमीनी नवाचार सहित आपसी हित के क्षेत्रों में स्टार्टअप्स के लिए नवाचार गतिविधियों पर सहयोग और प्रचार करने के लिए सहमत हुए है।

प्रोफेसर अवस्थी ने आगे कहा कि इस समझौता ज्ञापन से स्टार्टअप, छात्रों के इंटर्नशिप और प्लेसमेंट, डिजाइन/प्रोटोटाइप बनाने के लिए नवाचार, प्रयोगशाला सुविधाओं को साझा करने, कार्यशालाओं/अतिथि व्याख्यान, संयुक्त अनुसंधान और विकास परियोजनाओं और अनुसंधान के संयुक्त प्रकाशनों से संबंधित मुद्दों पर अनुसंधान को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि आगे चलकर इस समझौते को और विस्तार देने और इसके अंतर्गत संस्थान में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस स्थापित करने पर भी विचार किया जाएगा ताकि छात्रों को औद्योगिक समस्याओं का समाधान ढूंढने के लिए व्यापक रूप से से तकनिकी सहयोग मिल सके

नरिंदर अहलुवालिआ ने समझौता ज्ञापन पर हर्ष जताते हुए उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी विकास के सभी चरणों के माध्यम से अवधारणा से व्यावसायीकरण तक एक करीबी शिक्षा और उद्योग संपर्क कि आवश्यकता होती है।

नवाचार के अंतिम चरण में 25 प्रस्ताव चयनित

- एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर की ओर से दो दिवसीय नवीकरणम 2023 नवाचार प्रतियोगिता का आयोजन
- नवाचार स्टार्टअप की इस प्रतियोगिता में 70 टीमों ने कराया था पंजीकरण, कुल 50 प्रस्ताव मिले

एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के सभागार में आयोजित राष्ट्रीय नवाचार प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ● जागरण

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर के डिजाइन इनोवेशन सेंटर की ओर से दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की नवाचार प्रतियोगिता नवीकरणम 2023 का आयोजन किया गया। एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के बोर्ड आफ गवर्नर्स के अध्यक्ष रविंद्र कुमार त्यागी ने एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया। नवाचार स्टार्टअप की इस प्रतियोगिता में 70 टीमों द्वारा पंजीकरण कराया गया था। जिनसे 50 प्रस्ताव आयोजकों को मिले। मूल्यांकन कमेटी द्वारा प्रस्तावों का अध्ययन और निरीक्षण करने के बाद 25 प्रस्तावों को प्रतियोगिता के अंतिम चरण के लिए स्वीकृति देते हुए उन्हें अपना माडल प्रस्तुत करने को भी कहा गया है।

एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से आयी प्रतिभागी टीमों का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि ऐसे उच्च स्तर की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेना स्वयं में किसी पुरस्कार से कम नहीं है। प्रतियोगिता में शामिल होना समस्या का चयन करने और उसका समाधान खोजने की क्षमता को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में वह अपने माडल को एक छोटी आबादी अथवा एक छोटे लक्ष्य समूह पर आधार पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू करें।

प्रो. ललित अवस्थी ने ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन, पहाड़ के घरों में दरारें आना, चारधाम यात्रा के दौरान ट्रैफिक जाम होना, भूस्खलन, गांवों से पलायन का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों की समस्याओं को हल करना नवाचार करने का सबसे अच्छी पहल भी है। उन्होंने कहा कि छात्र अथवा संकाय सदस्य द्वारा प्रस्तुत किए गए नवाचार प्रस्ताव उपयुक्त पाए जाने पर संस्थान द्वारा उसे पोषित करने के साथ ही उसे पेटेंट करवाने और उसके व्यवसायीकरण के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी।

प्रो. अवस्थी ने कहा कि संस्थान में हमे एक नवाचार संस्कृति बनानी होगी। एनआइटी बोर्ड आफ गवर्नर्स के अध्यक्ष रविंद्र कुमार त्यागी ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में नवाचारों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अगले तीन चार सालों में यह संस्थान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में शामिल होने में सक्षम होगा।

आइआइटी रुड़की के प्रोफेसर डा. अक्षय द्विवेदी ने देश की अर्थव्यवस्था में इनोवेशन और इंक्यूवेशन की भूमिका के बारे में भी बताया।

एनआईटी में नवीकरणम : ग्राफिक एरा के दीपांकर व टीम ने मारी बाजी

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। एनआईटी उत्तराखंड की ओर से राष्ट्रीय स्तरीय इनोवेशन प्रतियोगिता नवीकरणम का रविवार को पुरस्कार वितरण के साथ समापन हो गया है।

अर्टिफिकल इंटेलिजेंस इनेबल्ड बेबी हेल्थ केयर सिस्टम डिजाइन के लिए ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के दीपांकर शर्मा एवं उनकी टीम को पहला, एनआईटी श्रीनगर के हर्ष कुमार व उनकी टीम को वायरलेस कंट्रोलिंग सिस्टम डिजाइन के लिए दूसरा व एनआईटी कुरुक्षेत्र के यश अरोरा और उनकी टीम को सीसीटीटी क्लच लेस बाइक डिजाइन और असम यूनिवर्सिटी की पियाली दास और उनकी टीम को ड्रोन की डिजाइन के लिए तीसरा पुरस्कार दिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. ललित

नवीकरणम कार्यक्रम की विजेता टीम को पुरस्कृत करते अतिथि। संवाद

एनआईटी उत्तराखंड में हुई विभिन्न संस्थानों की राष्ट्रीय प्रतियोगिता

कुमार अवस्थी ने कहा कि आपके विचार और आपकी क्षमता का आभास तब तक किसी को नहीं होगा जब तक कि आप उनका प्रदर्शन नहीं करते हैं। इस अवसर पर आईआईटी रुड़की के प्रो. अक्षय द्विवेदी, संकाय सदस्य डॉ. सनत अग्रवाल, डॉ. हरिहरन मुथुसामी, डॉ. पवन कुमार राकेश, डॉ. स्मिता कलोनी, डॉ. डुंगली श्रीहरि आदि मौजूद थे।

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के दीपांकर व उनकी टीम प्रथम

श्रीनगर/एसएनबी। एनआईटी उत्तराखंड श्रीनगर की ओर से राष्ट्र स्तरीय इनोवेशन प्रतियोगिता 'नवीकरणम-2023' का रविवार को पुरस्कार वितरिण के साथ समापन हो गया है।

इस मौके पर अर्टिफिकल इंटेलिजेंस इनेबल्ड बेबी हेल्थ केयर सिस्टम डिजाइन के लिए ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के छात्र दीपांकर शर्मा एवं उनकी टीम ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। जबकि एनआईटी उत्तराखंड श्रीनगर के प्रथम वर्ष के छात्र हर्ष कुमार एवं उनकी टीम को वायरलेस कंट्रोलिंग सिस्टम डिजाइन के लिए द्वितीय एवं एनआईटी, कुरुक्षेत्र के यश अरोरा और उनकी टीम को सीसीटीटी क्लच लेस बाइक डिजाइन और असम यूनिवर्सिटी की छात्रा पियाली दास और उनकी टीम को ड्रोन की डिजाइन के लिए तृतीय पुरस्कर प्रदान किया गया।

- एनआईटी श्रीनगर में इनोवेशन प्रतियोगिता नवीकरणम-2023 संपन्न

पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रही टीमों को क्रमशः 25 हजार, 15 हजार और 10 हजार का चेक देकर सम्मानित किया। उन्होंने सभी छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि छात्रों को अपने विचारों को अमर बनाना चाहिए। जब भी आपके पास महत्वपूर्ण विचार हों तो उनका लाभ उठाएं। कहा आपके विचार और आपकी क्षमता का आभास तब तक किसी को नहीं होगा जब तक कि आप उनका प्रदर्शन नहीं करते है। इस अवसर पर आईआईटी रुड़की के प्रो. अक्षय द्विवेदी ने प्रतियोगिता के मूल्यांकनकर्ता के रूप में सभी प्रतिभागियो द्वारा प्रस्तुत किए मॉडल्स की सराहना करते हुए कहा कि सभी मॉडल इतने प्रभावशाली थे कि उनके लिए चयन करना काफी मुश्किल था। आयोजन में संकाय सदस्य डॉ. सनत अग्रवाल, डॉ. हरिहरन मुथुसामी, डॉ. पवन कुमार राकेश, डॉ. स्मिता कलोनी, डॉ. डुंगली श्रीहरि आदि ने सहयोग दिया।

दीपांकर शर्मा की टीम ने जीती स्पर्धा

श्रीनगर, संवाददाता। एनआईटी उत्तराखंड श्रीनगर की ओर से राष्ट्रीय स्तरीय इनोवेशन प्रतियोगिता ह्यनवीकरणम-2023ह्ल का रविवार को पुरस्कार वितरिण के साथ समापन हो गया है। इस मौके पर अर्टिफिकल इंटेलिजेंस इनेबल्ड बेबी हेल्थ केयर सिस्टम डिज़ाइन के लिए ग्राफ़िक एरा हिल यूनिवर्सिटी के छात्र दीपांकर शर्मा एवं उनकी टीम ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

जबकि एनआईटी उत्तराखंड श्रीनगर के प्रथम वर्ष के छात्र हर्ष कुमार एवं उनकी टीम को वायरलेस कंट्रोलिंग सिस्टम डिज़ाइन के लिए द्वितीय एवं एनआईटी, कुरुक्षेत्र के यश अरोरा और उनकी टीम को सीसीटीटी क्लच लेस बाइक डिज़ाइन और असम यूनिवर्सिटी की छात्रा पियाली दास और उनकी टीम को ड्रोन की डिजाइन के लिए तृतीय पुरस्कर प्रदान किया गया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रही टीमों को क्रमशः 25 हजार, 15 हजार और 10 हजार का चेक देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आईआईटी रुड़की के प्रो. डॉ. अक्षय द्विवेदी ने प्रतियोगिता के मूल्यांकनकर्ता के रूप में सभी प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत किए मॉडल्स की सराहना की। मौके पर संकाय सदस्य डॉ. सनत अग्रवाल आदि मौजूद थे।

- एनआईटी में पुरस्कार वितरण के साथ समापन
- विजेता टीमों को मिला आकर्षक पुरस्कार

राष्ट्रीय इनोवेशन में दीपांकर की टीम प्रथम

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित दो दिवसीय इनोवेशन प्रतियोगिता नवीकरणम 2023 रविवार को संपन्न हो गई। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस इनेबल्ड बेबी हेल्थ केयर सिस्टम डिजाइन बनाने वाले ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के छात्र दीपांकर शर्मा और उनकी टीम ने प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया।

वायरलेस कंट्रोलिंग सिस्टम का डिजाइन बनाने वाले एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के प्रथम वर्ष के छात्र हर्ष कुमार और उनकी टीम को दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया। सीसीटीटी क्लच लैस बाइक डिजाइन करने वाले एनआइटी कुरुक्षेत्र के यश अरोरा और उनकी टीम व असम यूनिवर्सिटी की छात्रा पियाली दास और उनकी टीम को ड्रा ड्रोन का डिजाइन बनाने पर तीसरा पुरस्कार दिया गया। मुख्य अतिथि एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने इनोवेशन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय टीमों को क्रमशः 25 हजार, 15 हजार और 10 हजार का चेक दिया। निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा कि आपके द्वारा प्रदर्शन करने पर ही आपके विचार और आपकी क्षमता का आभास दूसरों को होगा। इस मौके पर डा. सनथ अग्रवाल, डा. हरिहरन मुथुसामी, डा. पवन कुमार, डा. स्मिता, डा. डुंगली श्रीहरि, कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी आदि मौजूद थे।

नेशनल इनोवेशन प्रतियोगिता की प्रथम विजेता टीम को 25 हजार रुपये का चेक प्रदान करते एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ● जागरण

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर उत्तराखण्ड द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित दो दिवसीय इनोवेशन प्रतियोगिता का समापन

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/पौड़ी/श्रीनगर गढ़वाल(सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर उत्तराखंड द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इनोवेशन प्रतियोगिता नवीकरणम-2023 का 26 फरवरी को समापन किया गया। दो दिनो तक चली इस

इस प्रतियोगिता में गहन मूल्यांकन के बाद अर्टिफिकल इंटेलिजेंस इनेबल्ड बेबी हेल्थ केयर सिस्टम डिज़ाइन के लिए ग्राफ़िक एरा हिल यूनिवर्सिटी के छात्र दीपांकर शर्मा एवं उनकी टीम प्रथम पुरुस्कार दिया गया। एनआईटी, उत्तराखंड के प्रथम वर्ष के छात्र हर्ष कुमार एवं उनकी टीम को वायरलेस कंट्रोलिंग सिस्टम डिज़ाइन के लिए द्वितीय पुरुस्कार दिया गया। तृतीय पुरुस्कार सम्मिलित रूप से एनआईटी, कुरुक्षेत्र के श्रीयश अरोरा और उनकी टीम को सीसीटीटी क्लच लेस बाइक डिज़ाइन के लिए और असम यूनिवर्सिटी की छात्रा पियाली दास और उनकी टीम को डॉ ड्रोन की डिज़ाइन के लिए दिया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के माननीय निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रही टीमों को क्रमशः पच्चीस हजार, पंद्रह हजार और दस हजार का चेक देकर सम्मानित किया और उनका मनोबल बढ़ाया।

प्रोफेसर अवस्थी ने सभी छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा छात्रों को अपने विचारों को अमर बनाना चाहिए। जब भी आपके पास ज़बरदस्त विचार हों तो यह महत्वपूर्ण है कि आप उनका लाभ उठाएं। हर संभावित अवसर, जो आपके विचार को मूर्ति रूप दे सकता हो उसका लाभ उठाएं और अपनी योजनाओं को विचारों से वास्तविकता में बदलने की कोशिश करे। उन्होंने छात्रों को कक्षा का उदहारण देते हुए कहा जब आप लेक्चर के दौरान कक्षा में बैठे होते है, तो आपके मन में कई प्रश्न आते है। जो छात्र अपनी शंकाओ के समाधान के लिए और अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए कक्षा में प्रश्न पूछते है उनमे स्वाभाविक रूप से नेतृत्व क्षमता विकसित होती है और वे भविष्य में राष्ट्र के विकास को गति और दिशा देने का काम करते है। प्रोफेसर अवस्थी ने सभी प्रतिभागियो से कहा कि आपके विचार और आपकी क्षमता का आभास तब तक किसी को नहीं होगा जब तक कि आप उनका प्रदर्शन नहीं करते है। इसीलिए आपको न केवल व्यक्तिगत प्रतियोगिता बल्कि आल इंडिया टेक्निकल एजुकेशन कौंसिल द्वार आयोजित राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न हैकाथन में भी भाग लेना चाहिए और अपने विचारो को मूर्त रूप देने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सभी लोग सबसे अच्छे कि अपेक्षा करते है तो इसके लिए हमें सबसे अच्छा डिज़ाइन करने के भी विषय में सोचना चाहिये। उन्होंने कहा कि सभी नवाचार प्रतियोगिताएं इसी मूल भावना के साथ आयोजित कि जाती है।

प्रोफेसर अवस्थी ने अपनी बात कि जारी रखते हुए कहा कि चाहे एनआईटी हो यान अन्य शिक्षण संस्थान सभी का मुख्य उद्देश्य छात्रों को इस प्रकार से शिक्षित और प्रशिक्षित करना होता है कि वे आगे चलकर नेतृत्व कर सकें। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को सलाह दिया कि यदि उन्हें मूल्यांकनकर्ताओं और दर्शको द्वारा दिए गए सुझावो के प्रत्येक पहलू पर काम करने की आवश्यकता है और उसके अनुसार यदि अपने मॉडल को परिष्कृत करते है तो निश्चित रूप से यह उन्हें सफलता दिलाएगी। इसके साथ ही उन्होंने छात्रों को आश्वासन दिया कि यदि अपने विचारों को पोषित करने के लिए उन्हें किसी प्रकार की विशेषज्ञता, प्रशिक्षण या सलाह की आवश्यकता है तो एनआईटी उत्तराखंड हमेशा इसके लिए तत्पर है। अंत में प्रोफेससर अवस्थी ने प्रायोजकों बैंक ऑफ़ बड़ोदा, श्रीनगर ; ट्रस्ट टोयोटा और फूड स्टेप रेस्टोरेंट, श्रीनगर का उनके उत्साहजनक समर्थन के लिए धन्यवाद किया और अपेक्षा की कि आगे भी वे संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में अपना बहुमूल्य समर्थन देते रहेंगे।

इस अवसर पर डॉ अक्षय द्विवेदी, प्रोफेसर आईआईटी, रूड़की एवं प्रतियोगिता के मूल्यांकनकर्ता ने सभी प्रतिभागियो द्वारा प्रस्तुत किये मॉडल्स कि सराहना करते हुए कहा कि सभी मॉडल इतने प्रभावशाली थे कि उनके लिए चयन करना काफी मुश्किल था। इस अवसर पर आयोजक टीम के संकाय सदस्य डॉ सनत अग्रवाल, (डीन आर एंड सी) ,डॉ हरिहरन मुथुसामी (डीन फैकल्टी वेलफेयर), डॉ पवन कुमार राकेस, डॉ स्मिता कलोनी, डॉ डुंगली श्रीहरि के अलावा संस्था के समस्त विभागध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं छात्र उपस्थित थे।